2019

B.A. (Honours)

2nd Semester CBCS Examination

HINDI

Paper - C4T

Full Marks : 60 Time : 3 Hours

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

1. निम्नलिखित मे से किन्हीं ***दस*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा संपादित दो पत्रिकाओं के नाम बताइए।

(ख) भारतेन्दु द्वारा रचित दो काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

(ग) 'हरिऔध' किस युग के कवि हैं और उनका पूरा नाम क्या है?

(घ) मैथिलीशरण गुप्त रचित दो काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

(ङ) 'कलाधर' किस कवि का उपनाम है? और वे किस काव्यधारा के कवि हैं?

(च) 'कामायनी' का प्रकाशन-वर्ष क्या है और इसमें कुल कितने सर्ग हैं?

(छ) रामनरेश त्रिपाठी द्वारा रचित दो ग्रंथों के नाम लिखिए।

(ज) 'मैं नीर भरी दुख की बदली' का मुख्य भाव क्या है?

(झ) निराला का जन्म किस जिले में और कब हुआ था?

(ञ) निराला द्वारा रचित दो काव्य-ग्रंथों के नाम बताइए।

(ट) पंत को किस रचना के लिए और कब ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला?

(ठ) किस कवयित्री को आधुनिक युग की मीरा कहा जाता है और क्यों?

(ड) पंत एवं निराला द्वारा संपादित एक एक पत्रिका का नाम बताइए।

(ढ) 'आगे बढ़े चलेंगे' किसकी और किस विधा की रचना है?

(ण) 'कैकेयी का अनुताप' किस कवि की कविता है और किस काव्य-संग्रह में संकलित है?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 4×5

(क) "निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।
अंग्रेजी पढ़ि के जदपि, सब गुन होत प्रवीन
पै निज-भाषा-ज्ञान बिन, रहत हीन के हीन"

—इस अंश की ससंदर्भ-व्याख्या कीजिए।

(ख) "हे दीनबंधु दया-निकेतन विहग-केतन श्रीपते
सब शोक-शमन त्रिताप-मोचन दुख-दमन जगतीपते
भव-भीति-भंजन दुरित-गंजन अवनि-जन-रंजन विभो
बहु-बार, जन-हित-अवतरित ऐ अति-उदार-चरित प्रभो"

—इस अंश के काव्य-सौन्दर्य पर चर्चा कीजिए।

[*Turn Over*]

(ग) "हो जाये अच्छी भी फसल, पर लाभ कृषकों को कहाँ
खाते, खवाई, बीज ऋण से हैं रंगे रक्खे जहाँ
आता महाजन के यहाँ यह अन्न सारा अंत में
अधपेट खाकर फिर उन्हें है काँपना हैमन्त में''।

—इस पद्यांश में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।

(घ) "मधुप गुन-गुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।"

यह अंश कहाँ से अवतरित है? उसके शिल्पगत सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'तोड़ती पत्थर' कविता की मूल संवेदना संक्षेप में लिखिए।

(च) "भारत माता ग्रामवासिनी
खेतों में फैला है श्यामल
धूल भरा मैला सा आँचल
गंगा यमुना के आँसू जल
मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी"

—इस पद्यांश की सप्रसंग-व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) भारतेन्दु की काव्यगत विशेषताओं पर विचार कीजिए।

(ख) 'कैकेयी का अनुताप' कविता की मूल-संवेदना स्पष्ट कीजिए।

(ग) महादेवी वर्मा की विरह-वेदना पर प्रकाश डालिए।

(घ) निराला के काव्य में व्यक्त प्रगतिशील-चेतना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।